

स्थापित होंगे 500 से अधिक जीसीसी : योगी

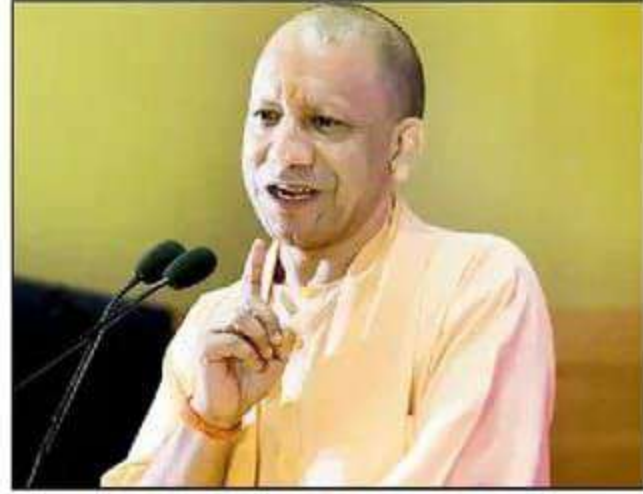
समिट में 15 एमओयू और पांच निवेशकों को एलओसी

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। यूपी को ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी) का प्रमुख केंद्र बनाने के लिए अगले पांच वर्षों में 500 से अधिक जीसीसी स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को लखनऊ में आयोजित यूपी जीसीसी इनोवेशन समिट में यह घोषणा की। समिट में कंपनियों और टैलेंट पार्टनर्स के साथ 15 एमओयू पर हस्ताक्षर हुए, पांच निवेशकों को लेटर ऑफ कम्फर्ट जारी किए गए और 13 शैक्षणिक संस्थानों के साथ उद्योग-अकादमिक सहयोग के समझौते हुए।

आईआईटी कानपुर एलुमनाई एसोसिएशन, इन्वेस्ट यूपी और एचसीएल टेक के सहयोग से आयोजित समिट में सीएम ने कहा कि मजबूत औद्योगिक आधार, कुशल मानव संसाधन, बेहतर बुनियादी ढांचे और 36 औद्योगिक नीतियों से प्रदेश में निवेश का अनुकूल वातावरण बना है। सरकार का लक्ष्य यूपी को वैश्विक कंपनियों के लिए नवाचार, डिजाइन, इंजीनियरिंग, अनुसंधान एवं विकास और कारोबारी संचालन का केंद्र बनाना है। इससे युवाओं को उच्च वेतन वाले रोजगार मिलेंगे।

उन्होंने बताया कि प्रदेश में देश का 60% एक्सप्रेसवे नेटवर्क, सबसे बड़ा रेल नेटवर्क, पांच अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे और 75 हजार एकड़ से अधिक का औद्योगिक भूमि बैंक है। मोबाइल विनिर्माण में 55% और इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट उत्पादन में 60% हिस्सेदारी है। प्रदेश में करीब 6.7 लाख पेशेवर हैं, जिनमें तीन लाख प्रौद्योगिकी और इंजीनियरिंग क्षेत्र से जुड़े हैं। यहां आठ हजार से अधिक उच्च शिक्षण संस्थान हैं और हर साल दो लाख से अधिक स्टेम स्नातक निकलते हैं। कार्यक्रम में औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी, राज्यमंत्री जसवंत सिंह सैनी मौजूद रहे।



हैवल्ल्स समेत पांच निवेशकों को एलओसी

हैवल्ल्स इंडिया, एमेरिप्राइज इंडिया, मेटलाइफ ग्लोबल ऑपरेशंस सपोर्ट सेंटर, एलजी सॉफ्ट इंडिया और डब्ल्यूएसपी कंसल्टेंट्स इंडिया को एलओसी जारी किए गए। ईवाई जीडीएस, एएमएल राइटसोर्स, कंप्यूटर्स, मेटलाइफ, डीएसबी, डैमैक, अल्ट्राआइस्ट और स्मार्टवर्क्स सहित कंपनियों के साथ 15 उद्योग समझौते हुए। स्मार्टवर्क्स लखनऊ में दो कैम्पस स्थापित कर रहा है। प्रतिभा विकास के लिए पेटीएम, एडब्ल्यूएस, बार्कलेज, आईबीएम और नौकरी ने साझेदारी की। पेटीएम ने दो एमओयू किए।

■ इन संस्थानों से सहयोग : आईआईटी कानपुर, आईआईटी रुड़की, आईआईएम लखनऊ, आईआईटी बीएचयू, एएमयू शिव नादर विश्वविद्यालय, एमएनएनआईटी प्रयागराज, लखनऊ विश्वविद्यालय, दोनों ट्रिपल आईटी, गोरखपुर विश्वविद्यालय, एमिटी और एकेटीयू सहित 13 संस्थानों के साथ करार हुआ। सात सत्रों में निवेश, एआई आधारित संचालन, नवाचार, स्टार्टअप और भविष्य के कौशल पर चर्चा हुई।

पूर्व सीएम का धर्म पर कम, कुर्सी पर ज्यादा विश्वास

सीएम योगी ने सोमवार को जीसीसी समिट में पूर्ववर्ती सपा सरकार पर निशाना साधा। अखिलेश यादव का नाम लिए बिना उन्होंने कहा कि पूर्व सीएम अंधविश्वास के कारण नोएडा और ग्रेटर नोएडा नहीं जाते थे। उनका विश्वास धर्म पर कम और कुर्सी पर ज्यादा था। तंज कसते हुए कहा कि पुलिस कहीं दंगा न भूल जाए इसलिए अब माँक ड्रिल करानी पड़ती है। सुशांत गोल्फ सिटी स्थित होटल में हुई समिट में सीएम ने यूपी की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत को जीसीसी की अवधारणा से जोड़ा। कहा, लोग पूछते हैं कि यूपी का मतलब क्या है तो जवाब है असीमित संभावनाएं। अब इन्हें मानने का नहीं, देखने का समय है। उन्होंने कहा कि मां गंगा-यमुना, प्रयागराज का संगम, अयोध्या और मथुरा जैसी धार्मिक विरासत प्रदेश की पहचान हैं।

■ 50 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव आ चुके : सीएम ने कहा कि 2016 में तत्कालीन सरकार की निवेश समिट में कोई नहीं आया और आयोजन दिल्ली में करना पड़ा। उस समय 20 हजार करोड़ का लक्ष्य था, जबकि उनकी सरकार के पहले सम्मेलन में 4.65 लाख करोड़ के एमओयू हुए। अब प्रदेश में 50 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव आ चुके हैं। कहा, कभी अपराध के लिए बदनाम जेवर में आज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा बन रहा है। प्रदेश की पहचान कभी बम-कट्टे से थी, अब वह रक्षा उत्पादन का बड़ा केंद्र बन रहा है।

प्रदेश में जीसीसी के विस्तार से निवेश और रोजगार के अवसर बढ़ रहे हैं। एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स 634 करोड़ का निवेश कर 500 से अधिक रोजगार देगी।

माइक्रोसॉफ्ट के नोएडा केंद्र में तीन साल में कर्मचारियों की संख्या 600 से बढ़कर करीब 3000 हो गई है। कंपनी करीब 2500 करोड़ रुपये से नया कैम्पस बना रही है। जीसीसी इनोवेशन समिट में एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स के बृजेश शर्मा ने बताया कि कंपनी का केंद्र इस साल के अंत तक शुरू होगा। इसमें एचवीएसी, हीट पंप और उत्पाद विकास पर काम होगा। स्मार्टवर्क्स के हर्ष बिनानी ने बताया कि नोएडा में 110 से अधिक कंपनियों वाले परिसर का प्रबंधन हो रहा है।

लखनऊ के बीबीडी टाइम्स स्क्वायर में दो लाख वर्ग फुट का जीसीसी हब बनाया गया है। एचसीएल टेक्नोलॉजीज के किरण चेरुकुरी ने बताया कि कंपनी लखनऊ में एडब्ल्यूएस के सहयोग से एआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस शुरू करेगा। सीएम योगी ने एचसीएल और आईआईटी कानपुर के श्वेतपत्र का विमोचन भी किया।

634 करोड़ रुपये का निवेश करेगी एलजी

युवाओं के लिए नए अवसर सृजित करना नए यूपी का संकल्प

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जनसुविधाओं का विस्तार, निवेश को प्रोत्साहन और नवाचार के माध्यम से युवाओं के लिए नए अवसर सृजित करना नए उत्तर प्रदेश के विकास का संकल्प है। उन्होंने सोमवार को सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा कि महर्षि वाल्मीकि की जयंती पर उनकी तपोभूमि बिठूर में लोकमंगल और जनकल्याण के इस संकल्प को आगे बढ़ाने का अवसर मिलेगा। सीएम ने कहा कि विकास परियोजनाओं के साथ युवाओं के भविष्य को संवारने के लिए निवेश व नवाचार के अवसर भी जरूरी हैं। इसी दृष्टि से वह लखनऊ में जीसीसी इनोवेशन समिट-2026 का शुभारंभ करेंगे। इस दौरान वैश्विक कंपनियों और विश्वविद्यालयों के साथ होने वाले समझौता ज्ञापनों (एमओयू) से तकनीकी अनुसंधान, नवाचार और उच्च कौशल आधारित रोजगार की नई संभावनाएं खुलेंगी।

विधान परिषद चुनाव की 11 सीटों के लिए मतगणना आज

लखनऊ। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि यूपी विधान परिषद के 5 खंड स्नातक और 6 खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों की मतगणना मंगलवार को प्रातः 8 बजे से लखनऊ, वाराणसी, आगरा, मेरठ, झांसी, बरेली और गोरखपुर में होगी। लखनऊ स्नातक एवं शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र स्नातक सीट की मतगणना रमाबाई रैली स्थल में होगी। रिणवा ने मतगणना केंद्रों के भीतर किसी भी अनधिकृत व्यक्ति को प्रवेश की अनुमति न देने के निर्देश दिए हैं। सभी मतगणना केंद्रों पर 24 घंटे निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। इसके लिए वैकल्पिक व्यवस्था रखें। मतगणना समाप्त होने तक पर्याप्त संख्या में सुरक्षा बलों की तैनाती सुनिश्चित की जाए। ब्यूरो

अभय सिंह हटे, प्रकाश बिंदु कराएंगे मतगणना

लखनऊ। गोरखपुर-फैजाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के प्रेक्षक के पद से आईएस अभय सिंह को हटा दिया गया है। उनकी जगह वर्ष 2009 बैच के आईएस प्रकाश बिंदु को प्रेक्षक बनाया गया है जो अब मतगणना कराएंगे। चुनाव आयोग ने इस बदलाव की जानकारी दी है। बता दें, भाजपा एमएलसी देवेन्द्र प्रताप सिंह ने अभय की शिकायत आयोग में की थी। देवेन्द्र ने अभय को खनन घोटाले में सीबीआई जांच के दायरे में होने की हटाने की मांग की थी। वहीं आम आदमी पार्टी ने भी अभय सिंह को हटाने की मांग की थी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय ने सोमवार को भारत निर्वाचन आयोग द्वारा वर्ष 2007 बैच के आईएस अभय को प्रेक्षक ड्यूटी से अवमुक्त कर रिजर्व में रखे जाने की जानकारी दी। ब्यूरो